Social Justice Union — Govt. Registered

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार, 19 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 200

महत्वपूर्ण एवं खास

मेंगलुरु में मछली प्रोसेसिंग यूनिट में हुआ हादसा, दम घुटने से 5 मजदूरों की हुई मौत

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के मेंगलुरु में मछली प्रोसेसिंग यूनिट में दम घुटने से पांच मजदूरों की मौत हो गई। मेंगलुरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस हादसे में मारे गए पांचों श्रमिक पश्चिम बंगाल के थे। एन शशि कुमार ने कहा कि यह घटना मेंगलुरु विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली प्रसंस्करण इकाई श्री उल्का एलएलपी में बीती शाम करीब सात बजे हुई। पुलिस आयुक्त ने कहा, श्रमिकों में से एक कचरा संग्रह टैंक के अंदर गिर गया और उसके अंदर बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सात अन्य मजदूर टैंक में घुस गए और वे भी बेहोश हो गए। उन्हें ए जे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां कल रात तीन की मौत हो गई। आज सुबह आईसीयू में दो अन्य मजदूरों की मौत हो गई।

रबी विपणन सीजन 2022-23 में 9 राज्यों से 69.24 एलएमटी गेहूं खरीदा गया

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और राजस्थान राज्यों में रबी विपणन सीजन 2022-23 में गेहूं की खरीदारी अभी हाल ही में शुरू हुई है। 17.04.2022 तक 69.24 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदारी की गई है, जिससे 5.86 लाख किसानों को 13951.41 करोड़ रुपये के एमएसपी मूल्य का लाभ प्राप्त हुआ है। । खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2021-22 में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान की खरीदारी सुचारू रूप से चल रही है। खरीफ विपणन सीजन 2021-22 में 17.04.2022 तक राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में 754.08 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान (खरीफ फसल 750.95 एलएमटी और रबी फसल 3.14 एलएमटी शामिल) की खरीदारी की गई है। अभी तक लगभग 108.90 लाख किसान 1,47,800.28 करोड़ रुपये की एमएसपी राशि से लाभान्वित हुए हैं।

जहांगीरपुरी हिंसा के आरोपियों को भेजा गया 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हुई हिंसा मामले में अब तक 23 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने सोमवार को कहा कि जहांगीरपुरी हिंसा के सिलसिले में अब तक दोनों समुदायों के 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इसमें शामिल लोगों को वर्ग, पंथ या धर्म के आधार पर बख्शा नहीं जाएगा। इस संबंध में दो किशोरों को भी गिरफ्तार किया गया है। हिंसा के दौरान 8 पुलिसकर्मियों समेत 9 लोग घायल हो गए थे। विशेष पुलिस आयुक्त, क्राइम ब्रांच रविंद्र यादव ने बताया कि दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और जिला पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में नाबालिग से गैंगरेप के आरोप में दो नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में 15 साल की नाबालिग युवती से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने पुलिस ने दो नाबालिग समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। रेप के चारों आरोपी स्थानीय जनजाति इलाके से आते हैं। इस मामले में पुलिस ने जिन दो नाबालिग लडक़ों को गिरफ्तार किया है उनकी उम्र 14 साल है। पुलिस के मुताबिक रविवार रात पुलिस ने इस मामले में पारुई पुलिस स्टेशन इलाके से लक्ष्मीरन सोरेन और सुनील सोरेन नाम के दो आरोपियों की गिरफ्तारी की। वहीं दो नाबालिग लडक़ों की गिरफ्तारी भी उसी गांव से कुछ घंटों बाद की गई। बताया जा रहा है कि युवती कोपाई नदी के पास एक लडक़े के साथ बैठी जो उसी इलाके का रहने वाला था। पुलिस पूछताछ में उस लडक़े ने खुद को उस लडक़ी का ब्वॉयफ्रेंड बताया है। युवक का कहना है कि इस दौरान कुछ लडक़े आए और उस लडक़ी को पकडक़र जंगल में ले गए जहां उसके साथ गैंगरेप किया गया। लडक़े का कहना है कि उस दौरान उन लडक़ों ने उसके साथ भी मारपीट की। स्थानीय अदालत ने इस मामले में सोमवार को 10 दिनों के लिए दो आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है जबकि दो नाबालिग आरोपियों को स्पेशल होम भेज दिया गया है।

असम के बाद बंगाल में तूफान से मची तबाही : 2 की मौत, 50 घायल

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में आए तूफान में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 50 लोग घायल हो गए। मौतों की सूचना कूचबिहार में मोआमारी ग्राम पंचायत के ब्लॉक नंबर एक से मिली है। कूचबिहार नगर पालिका के अध्यक्ष रवींद्र नाथ घोष ने बताया, कूचबिहार जिले के ब्लॉक नंबर एक, मोआमारी ग्राम पंचायत में तूफान में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 50 घायल हैं। तूफान ने जिले के तुफानगंज, माथाभांगा समेत कई अन्य क्षेत्रों में भी किया गया है। वहीं, असम में तूफान के कारण मृतकों की संख्या बढक़र 20 हो गई है। राज्य में गर्मियों के मौसम में आंधी तूफान के साथ होने वाली बारिश को बोर्डोइसिला कहा जाता है। बिजली गिरने के कारण कई मकानों को नुकसान पहुंचा है। कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली की लाइनें टूट गई हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से प्राप्त सूचना के अनुसार तूफान के कारण आठ और लोगों की मौत हुई, जिनमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। शुक्रवार को तिनसुकिया जिले में तीन, बक्सा में दो और डिब्रूगढ़ में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। गुरुवार से जारी तूफान के कारण 12 हजार से अधिक मकानों और अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

मिजोरम में तूफान में 200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त- वहीं, मिजोरम के कोलासिब और मामित जिलों में भारी बारिश और ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से एक गिरजाघर की इमारत समेत 200 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। तूफान में अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है। तूफान शनिवार देर रात को दो जिलों में आया था। कोलासिब जिले में कम से कम 220 मकान और गिरजाघर की इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। असम सीमा के समीप मामित जिले में करीब 18 मकान क्षतिग्रस्त हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के गुजरात दौरे से पहले वडोदरा में हिंसक झड़प, पथराव में 4 लोग घायल, कई गाडिय़ां टूटीं

वडोदरा (आरएनएस)। गुजरात में वडोदरा के रावपुरा इलाके में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई है। बताया जा रहा है कि दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं, जिससे बहस शुरू हुई और मामला काफी आगे बढ़ गया। एक गुट ने दूसरे पर पत्थर फेंकने का आरोप लगाया है। हिंसा में चार लोग घायल हैं और 10 से अधिक वाहनों और लॉरियों में तोडफ़ोड़ की गई है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ली है। मामला शांत करा लिया गया है। वडोदरा के पुलिस कमिश्नर शमहर सिंह ने कहा, रावपुरा इलाके में एक्सीडेंट के बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। इस घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं। शहर में फिलहाल शांति है। पुलिस टीम पैट्रोलिंग कर रही है। अन्य फोर्स को भी हमने मंगाया है। लोगों से अपील है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर विश्वास नहीं करें।

रामनवमी पर गुजरात के दो इलाकों में हुई थी झड़प- इससे पहले गुजरात के हिम्मतनगर और खंभात शहरों में रामनवमी के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक झड़प हो गई। खंभात में हुई सांप्रदायिक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सांप्रदायिक झड़पों के दौरान पुलिस को

पथराव करने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोडऩे पड़े।

प्रधानमंत्री मोदी आज से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर होंगे, जहां वह कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। दौरे के दौरान पीएम मोदी गांधीनगर, बनासकांठा, जामनगर और दाहोद में कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके साथ ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदानोम घेब्रेयसस की भी तीन दिवसीय गुजरात यात्रा सोमवार से शुरू होगी। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे होंगे नए भारतीय सेना प्रमुख

नई दिल्ली (आरएनएस)। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे भारतीय सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त हुए हैं। वह जनरल नरवणे की जगह लेंगे जो इस माह के आखिर में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वे इस पद पर पहुंचने वाले पहले इंजीनियर अफसर हैं। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ही थलसेना में सबसे वरिष्ठअधिकारी हैं। आगामी 30 अप्रैल को लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे को भारतीय सेना की कमान सौंपी जाएगी।

मनोज पांडे देश के पहले इंजीनियर होंगे, जिन्हें सेना प्रमुख की कमान सौंपी जा रही है।लेफ्टिनेंट जनरल पांडे को दिसंबर 1982 में बॉम्बे सैपर्स में कमीशन मिला था।अपने विशिष्ट करियर में, उन्होंने सभी प्रकार के इलाकों में पारंपरिक और साथ ही आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई प्रतिष्ठित कमांड और स्टाफ संबंधी दायित्वों का निर्वहन किया है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ एक इंजीनियर रेजिमेंट की कमान संभाली, पश्चिमी सेक्टर में एक इंजीनियर ब्रिगेड, एलओसी के साथ एक पैदल सेना ब्रिगेड और पश्चिमी लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाके में एक पहाड़ी डिवीजन और पूर्वोत्तर में एक कोर की कमान संभाली।वह संयुक्त राष्ट्र के कई मिशनों में भी योगदान दे चुके हैं।वह जून 2020 से मई 2021 तक अंडमान एवं निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ भी रहे।

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब पुलिस ने नवांशहर में अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) के कार्यालय में हमले की साजिश रचने वाले हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा द्वारा चलाए जा रहे एक प्रमुख पाकिस्तान स्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक वी. के. भवरा ने यहां सोमवार को बताया कि तीन गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ हथगोला हमले (हैंड-ग्रेनेड अटैक) की गुत्थी सुलझा ली गई है।

कुछ लोगों ने 7 और 8 नवंबर, 2021 की रात को पुलिस अधिकारियों को मारने के इरादे से एक हथगोला फेंका था। हालांकि वहां मौजूद अधिकारी बाल-बाल बच गए थे।

गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान

नवांशहर के गांव बैंस निवासी मनीष कुमार, जालंधर जिले के रमनदीप सिंह और एसबीएस नगर जिले के प्रदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक हथगोला भी बरामद किया है।

भवरा ने कहा कि व्यापक और निरंतर जांच के बाद, काउंटर इंटेलिजेंस विंग और एसबीएस नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीजीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान रमनदीप ने कबूल किया कि उसने मनीष के साथ मिलकर हरविंदर सिंह के निर्देश पर हथगोला फेंका था। रमनदीप ने लुधियाना-फिरोजपुर रोड से रिंडा के निर्देश पर दो हथगोले उठाए थे। एसबीएस नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संदीप कुमार ने कहा कि नवांशहर में हमले के लिए एक हथगोला का इस्तेमाल किया गया था और रमनदीप के खुलासे पर हमले को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया गया एक और पी-80 हथगोला बरामद किया गया है। इस हमले को अंजाम देने के लिए हरविंदर ने रमनदीप से 4 लाख रुपये में सौदा किया था।

पंजाब, चंडीगढ़, महाराष्ट्र और हरियाणा में सक्रिय एक कुख्यात गैंगस्टर हरविंदर सिंह हिस्ट्रीशीटर है और हत्या, कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, डकैती, जबरन वसूली और स्नैचिंग सहित जघन्य अपराधों में पंजाब पुलिस द्वारा वांछित है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास का किया आयोजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केसी, ने आज राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा संयोजक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत और डीआरडीओ के सचिव डॉ. सतीश रेड्डी के साथ राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया अभ्यास का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय साइबर अभ्यास (एनसीएक्स) इंडिया का आयोजन दस दिनों की अवधि यानि 18 से 29 अप्रैल 2022 तक एक हाइब्रिड अभ्यास के रूप में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य सरकार/महत्वपूर्ण क्षेत्र के संगठनों और एजेंसियों के वरिष्ठ प्रबंधन तथा तकनीकी कर्मियों को समकालीन साइबर खतरों एवं साइबर घटनाओं व प्रतिक्रिया के प्रबंधन पर प्रशिक्षण देना है।

कार्यक्रम का संचालन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस), भारत सरकार द्वारा ज्ञान भागीदार के रूप में भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) के सहयोग से तथा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के समर्थन से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिए प्लेटफार्म साइबरएक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो एस्तोनिया की साइबर सुरक्षा कंपनी है और इसे विश्व स्तर पर कई बड़े साइबर अभ्यास आयोजित करने की मान्यता मिली हुई है। प्रशिक्षण सत्र, लाइव फायर और सामरिक अभ्यास के माध्यम से 140 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमुख साइबर सुरक्षा क्षेत्रों जैसे घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, वायरस (मैलवेयर) सूचना साझाकरण प्लेटफॉर्म (एमआईएसपी), जोखिम प्रबंधन और प्रवेश परीक्षण, नेटवर्क प्रोटोकॉल और डेटा प्रवाह, डिजिटल फोरेंसिक, आदि के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

एनसीएक्स इंडिया, अग्रणी रणनीतिक कर्मियों को साइबर खतरों को बेहतर ढंग से समझने, तैयारी का आकलन करने और साइबर संकट प्रबंधन व सहयोग करने के क्षेत्र में कौशल को विकसित करने में मदद करेगा। यह साइबर सुरक्षा कौशल, टीम वर्क, योजना, संचार, महत्वपूर्ण सोच और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने में और इनका परीक्षण करने में भी मदद करेगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केसी, ने अपने मुख्य भाषण में देश में चल रही डिजिटल क्रांति और सरकार द्वारा बड़ी संख्या में डिजिटल सेवाओं के शुभारंभ विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि साइबर सुरक्षा किसी भी सफल डिजिटल बदलाव की आधारशिला है। साइबर दुनिया में कोई भी खतरा सीधे तौर पर हमारी सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है और इसलिए हमें अपने साइबर दुनिया की सुरक्षा करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा संयोजक लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पंत ने भारत की साइबर दुनिया के महत्व और इसे नागरिकों, व्यवसायों तथा सरकारों के लिए सुरक्षित रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

अमरावती में दो समुदायों में जमकर चले पत्थर, कर्फ्यू लागू, 23 गिरफ्तार

अमरावती (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती ग्रामीण में सांप्रदायिक तनाव की खबर है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर अचलपुर और परतवाड़ा में कर्फ्यू लगाया गया है। इसके अलावा क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पूरी स्थिति की समीक्षा के बाद कर्फ्यू हटाने को लेकर फैसला लिया जाएगा। हाल ही में रामनवमी और हनुमान जयंती के दौरान भी देश के कई हिस्सों में हिंसा की खबरें सामने आई थी। रविवार शाम करीब 6 बजे एक व्यक्ति ने दूल्हा गेट इलाके में भगवा झंडा फहराया था, जहां अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोग रहते हैं। इसके चलते दोनों समुदायों की तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। हिंसा के दौरान दो पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई हैं।

खबर है कि शाम 7.30 बजे तक पुलिस की कार्रवाई से हालात काबू में आ गए थे। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में जान या माल का नुकसान नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमरावती ग्रामीण पुलिस के अधिकारी ने कहा, स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स की तीन कंपनियां, नजदीकी अकोला जिले के 100 पुलिसकर्मी और अमरावती पुलिस के 300 अन्य पुलिसकर्मी सडक़ों पर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई अप्रिय घटना ना हो।

पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और दंगा करने और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मी के साथ मारपीट करने लिए 23 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बीते नवंबर में अमरावती शहर में सांप्रदायिक हिंसा भडक़ी थी, जिसके चलते संपत्ति को नुकसान हुआ था।

कृषि क्षेत्र की मजबूती के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध - तोमर

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज दिल्ली में एक कार्यक्रम में अपने मंत्रालय से सम्बद्ध कामकाज को और सरल तथा सुविधाजनक बनाने के लिए दो पोर्टल लांच किए। पहला पोर्टल कीटनाशकों का व्यापक पंजीकरण) के नाम से है, जो फसल सुरक्षा सामग्री के पंजीकरण संबंधित प्रक्रिया को गति व पारदर्शिता प्रदान करता है। दूसरा पोर्टल हैं वनस्पति संगरोध प्रबंधन प्रणाली), जो कृषि उत्पादों के निर्यात व आयात संबंधी दस्तावेजों को जारी करने में मुख्य भूमिका निभाता है। इस अवसर पर तोमर ने कहा कि कृषि क्षेत्र के समग्र विकास तथा इस सेक्टर की मजबूती के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार

प्रतिबद्ध है और रहेगी।

मुख्य अतिथि तोमर ने कहा कि नए पोर्टल में निर्यातकों द्वारा आवेदन से लेकर स्वच्छता प्रमाण-पत्र जारी करने तक की प्रक्रियाओं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के पूरा किया जा सकेगा, जो समयबद्धता, पारदर्शिता, सुगम कारोबार की सरल नीति की सरकारी कार्यनीति के अनुरूप है। इस पोर्टल से फल-सब्जियां, अनाज आदि के उत्पादकों व संबंधित उद्योगों को अपने उत्पाद निर्यात करने में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधा प्राप्त होगी। इसके अलावा आयातित पौध सामग्री का पारदर्शिता और सुगमता से, समयबद्ध तरीके से निर्गत प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकता है। इसी प्रकार कीटनाशी अधिनियम से संबंधित पोर्टल में पुराने क्रॉप परिचालन की समस्याओं को देखते हुए संशोधन किए गए हैं। नए क्रॉप परिचालन द्वारा फसल सुरक्षा सामग्री के सुगम पंजीकरण हेतु प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए, आवेदन से लेकर उन्हें जारी करने तक पारदर्शिता, सुगमता व समयबद्धता के साथ विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन जांच के बाद शीघ्रातिशीघ्र जारी किए जाएंगे। इस नई प्रणाली के माध्यम से आवेदकों को ई-भुगतान करना, दस्तावेज उपलब्ध कराना व नवीनीकरण करना, बिना मानवीय हस्तक्षेप के संभव हो सकेगा तथा विभिन्न स्तरों पर किए जाने वाले इन कार्यों की सूचना आवेदक को समय-समय पर स्वत: प्राप्त होगी । इससे हमारे किसानों को फसल सुरक्षा सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

तोमर ने कहा कि कुछ राज्यों में टिड्डी दलों के हमले के समय प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशों के अनुरूप कृषि मंत्रालय ने संबंधित मंत्रालयों से अनुमतियां लेकर टिड्डियों पर नियंत्रण पाया था, तब ड्रोन का भी उपयोग किया गया था, तत्समय प्रधानमंत्री जी ने विस्तृत ड्रोन पालिसी बनाने को कहा, जिसके बाद कृषि मंत्रालय ने इसकी गाइड लाइन बनाकर भी जारी कर दी है और अब खेती में ड्रोन के व्यापक उपयोग के प्रयत्न हो रहे हैं, ताकि किसानों को सुविधा-सरलता हो।

तोमर ने कहा कि खाद्यान्न की दृष्टि से हमारा देश आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि अतिशेष है, जिसमें हमारे किसान भाइयों-बहनों का अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों की कुशलता तथा केंद्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों का योगदान है। कोविड के संकटकाल के दौरान भी कृषि क्षेत्र में पूरी तरह से कामकाज सुचारू चलता रहा, सरकार ने भी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज खरीदने में कोई कमी नहीं आने दी और हमारा कृषि क्षेत्र अपना सीना ताने खड़ा रहा। इस क्षेत्र को हम अपनी नीतियों, अनुसंधान, गुणवत्ता, प्रोत्साहन, पारदर्शिता, ईज आफ डूइंग बिजनेस से जितना मजबूत करेंगे, उतना ही हमारा देश ताकतवर होगा।

राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सभी सुविधाओं को सरल एवं सहज बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी नई तकनीक को अपनाने पर बल दे रहे है, जिससे कृषि क्षेत्र का समग्र विकास संभव होगा। आज जो दोनों पोर्टल लांच किए गए है, इससे किसानों एवं संबंधित उद्यमियों को लाभ मिलेगा।